सत्य जो कभी नहीं बदलता

क्या मैं नास्तिक हो सकता हूँ?

एक बाइबल विश्वासी के रूप में आपने भी शायद उसी समस्या का सामना किया है जो मैंने वर्षों से किया है: अस्वीकृति से कैसे निपटें, और नास्तिक को कैसे जवाब दें।

किसी से संपर्क करते समय, क्या आपको कभी यह प्रतिक्रिया मिली है.....

"आप जानते हैं कि मैं धार्मिक नहीं हूँ"

आदि में: परमेश्वर का वचन ... या बड़ा धमाका? आप चुनें!

2

क्या आपको यकीन है कि आपका 'भगवान' वास्तव में परमेश्वर है?

वैसे भी, आपकी बाइबल कहती है कि जिस समय यह लिखी गयी थी उस समय बहुत से लोगों के पास कई देवता थे। ये सब शायद मानते थे कि 'उनका' भगवान ही परमेश्वर है। आप कैसे जानते हैं कि वे सही थे या गलत?

जिस समय यीशु पृथ्वी पर था उस समय १५०० से अधिक देवता थे! तो अगर मुझे एक 'ईश्वर' में विश्वास करना है, तो मुझे किसे चुनना चाहिए?

एक नास्तिक की ओर से प्रश्न।

मुझे तीन विकल्प समझाने दें:

1. आप **जान सकते हैं और विश्वास कर सकते** हैं कि परमेश्वर मौजूद है।
2. आप एक **अज्ञेयवादी** हो सकते हैं, जिसका अर्थ है कि आप मानते हैं कि यह जानना संभव नहीं है कि क्या कोई परमेश्वर है, लेकिन आप इसका पता लगाने का निर्णय ले सकते हैं।
3. या एक **नास्तिक** के रूप में आपने "सारा ज्ञान धारण कर लिया है" और जानते हैं कि कोई परमेश्वर नहीं है। यह एक असंगत बयान है जो अपने ही तर्क से खुद को हरा देता है।

ठीक है, मैं इस चर्चा के उद्देश्यों के लिए अपनी स्थिति बदल लेता हूँ।

मैंने पहले कहा था कि बहुत से देवता हैं। मुझे कैसे पता चलेगा कि सही और सच्चा परमेश्वर कौन है?

वह भी जब यदि मैं आपके परमेश्वर में विश्वास करना चाहता हूँ

बाइबल यह कहती है: "परन्तु विश्वास बिना उसे प्रसन्न करना अनहोना है; क्योंकि परमेश्वर के पास आनेवाले को विश्वास करना चाहिए कि वह है, और अपने खोजनेवालों को प्रतिफल देता है।" **इब्रानियों 11:6-8**

आप इसे क्यों नहीं आजमाते? आप बहुत कुछ पा सकते हैं, और आप कुछ भी नहीं खो सकते हैं!

इसका उत्तर सब्त के दिन में है। इस प्रकार हम जानते हैं कि परमेश्वर यहोवा कौन है; यह संपूर्ण बाइबल में चलने वाला विषय है। हम जानते हैं कि हम **सृष्टिकर्ता परमेश्वर** की आराधना करते हैं, क्योंकि बाइबल सच्चे परमेश्वर की पहचान **सृष्टिकर्ता परमेश्वर** के रूप में करती है, और सब्त की आराधना और सातवें दिन का विश्राम परमेश्वर को **सृष्टि के परमेश्वर** के रूप में पहचानता है

"तू इस्राएलियों से यह भी कहना, 'निश्चय तुम मेरे विश्रामदिनों को मानना, क्योंकि तुम्हारी पीढ़ी पीढ़ी में मेरे और तुम लोगों के बीच यह एक चिह्न ठहरा है, जिससे तुम यह बात जान रखो कि **यहोवा हमारा पवित्र करनेहारा है।" निर्गमन 31:13**

यहेजकेल 20:12 "फिर मैंने उनके लिये अपने विश्रामदिन ठहराए जो मेरे और उनके बीच चिह्न ठहरें; कि वे जानें कि **मैं यहोवा उनका पवित्र करनेवाला हूँ"**

यहेजकेल 20:20. और मेरे विश्रामदिनों को पवित्र मानो कि वे मेरे और तुम्हारे बीच चिह्न ठहरें, और जिससे तुम जानो कि **मैं तुम्हारा परमेश्वर यहोवा हूँ।**"

बाइबल **तेईस** स्थानों पर बताती है कि परमेश्वर सृष्टि का परमेश्वर है, या वह वह है जिसने सब कुछ बनाया।

प्रकाशितवाक्य १४:७ हमें सिखाता है: "उसकी आराधना करो जिसने स्वर्ग और पृथ्वी और समुद्र और जल के सोते बनाए।" **फिर से "सृष्टिकर्ता परमेश्वर" का जिक्र है।**

तब आपके प्रश्न का उत्तर है: **'सच्चा परमेश्वर सृष्टिकर्ता परमेश्वर है'**

"ठीक है, यदि तुम लोग इतने अडिग हो कि सच्चा परमेश्वर सृष्टिकर्ता परमेश्वर है, तो तुम्हें भी सब्त के बारे में बहुत आश्वस्त होने की आवश्यकता है कि वह सच्चा सब्त है! यह उचित है न? तो ४६ ईसा पूर्व में कैलेंडर परिवर्तन के बारे में क्या? या १७५१ ईसा पश्चात, जब सितंबर से ग्यारह दिन हटा दिए गए थे? इस से कानूनी रूप से सही होने में क्या मदद मिलती है अगर सब्त का दिन गलत है?"

परिवर्तनों ने कार्यदिवसों के क्रम को कभी नहीं बदला- क्रम बिल्कुल वैसा ही रहा। एक अच्छा उदाहरण अधिवर्ष है; यह सप्ताह के दिनों को प्रभावित नहीं करता है।

हमें सब्त के लिए तिथियों की आवश्यकता नहीं है, केवल सप्ताह के दिनों का नियमित क्रम है। सब्त हमेशा सप्ताह के सातवें दिन होता है, जो ठीक वही है जो बाइबल कहती है।

दोहराते हुए: सच्चा परमेश्वर सृष्टिकर्ता परमेश्वर और सब्त का परमेश्वर है

लेकिन अब हम उस अपरिहार्य दुविधा की ओर बढ़ते हैं जिसका नास्तिक सामना करता है

यह दावा करने में कि कोई ईश्वर नहीं है, नास्तिक को अपने स्वयं के कुछ प्रश्नों का उत्तर देना होता है।

नास्तिक की दुविधा

नास्तिक दृष्टिकोण से सही और गलत के अस्तित्व का दावा करना कठिन है। अगर नियम बनाने वाला कोई परमेश्वर नहीं है, तो सही और गलत का फैसला कौन करता है?

आपने पहले कहा था कि आप वही करने की कोशिश करते हैं जो सही है- लेकिन किसके नियमों से? आप कैसे सुनिश्चित हो सकते हैं कि आपकी सही और गलत की व्यक्तिगत समझ पूर्ण है? **यदि कोई नैतिक व्यवस्था नहीं है तो कोई वस्तुपरक नैतिकता नहीं हो सकती।**

सच्ची नैतिकता

इसलिए यदि परमेश्वर का अस्तित्व नहीं है, तो हमारे पास १० आज्ञाओं में दी गई नैतिकता के लिए एक ठोस आधार नहीं है। तो क्या? क्या हम अपने नैतिक नियम खुद बनाते हैं? इसके बजाय मैं जो पेशकश कर रहा हूं वह **अच्छे नैतिक मूल्यों के लिए एक ठोस आधार है**। ये मूल्य मनुष्य से नहीं आते हैं, वे **सच्ची नैतिक व्यवस्था**-दस आज्ञाओं-में सूचीबद्ध हैं और सब्त के विश्राम का पालन करके सृष्टिकर्ता परमेश्वर का सम्मान करते हुए जीते हैं।

जीने का एक व्यवस्थित सामंजस्य!

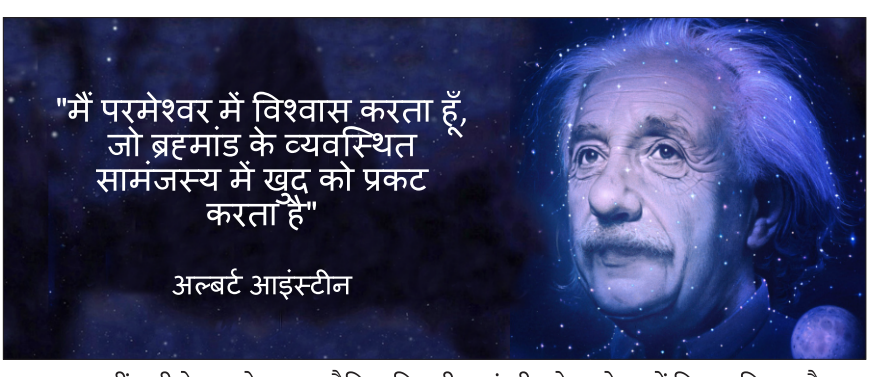

20वीं सदी के सबसे महान भौतिक विज्ञानी आइंस्टीन ने परमेश्वर में विश्वास किया और ऐसा कई बार कहा

तो मैं इस प्रकार संक्षेप पेश करता हूँ:

- **सच्चे परमेश्वर** की पहचान **सृष्टिकर्ता परमेश्वर** के रूप में की जाती है
- **नैतिक व्यवस्था** जैसा कि **दस** आज्ञाओं में व्यक्त की गयी है
- **सच्चा सब्त** हमेशा **सातवें दिन** के रूप में पहचाना जाता है, तारीख से हटकर
- **बाइबल के विश्वासियों** की पहचान सातवें दिन को **सृष्टिकर्ता परमेश्वर के लिए विश्राम दिवस** के रूप में मानने से की जाती है

हे प्रभु

मुझे प्रेरित कर कि मैं तेरे वचन का अध्ययन कर सकूं, जो सभी सत्य का स्रोत है, और यह कि मैं अपनी समझ पर निर्भर न रहूँ, बल्कि अपने सभी मार्गों में तुझे स्वीकार करुँ और तू मेरे मार्ग को सीधा करेगा। आमीन।

मुझे वास्तव में नास्तिक होने का कोई मतलब नहीं दिखता है। यह कुछ भी वादा नहीं करता है और किसी को कहीं नहीं ले जाता है।

दुनिया भर में सेलफोन प्रचार के लिए, बाइबल अध्ययन और उपदेश

सम्पर्क विवरण:
पास्टर वी.पी सिंह

+91 88263 53456
'vpsingh.sda@gmail.com'

www.bibletrakts.com
TRACT © GEORGE ROSS